Department of Hindi

Semester Based Credit System Course

Semester – I & II

From June 2010

Department of Hindi
Semester Based Credit System Course
Semister-1
From June 2010

HIN401 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास

A-Objectives

This course will help the students to understand Hindi Literature in the historical perspective. They will know the importance and tradition of History writing in Hindi Literature

Literature is closely associated with literature. Literature reflects the social systems prevailing in society. This course will help the students to understand the social systems prevailing in the society.

This course will help the students to understand the cultural traditions of the people of the Hindi speaking people

B-Outcome of the Course

After studying this course students will

1- Develop the skill of gathering information in a scientific manner.

2-Develop right perspective towards society.

Units

1. हिन्दी साहित्य में इतिहास लेखन
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

2-1 प्रयोगवाद

2-2 नई कविता

3. साठोत्तरी हिन्दी कविता

4- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक

4-1 प्रयोगशील नाटक

4-2 काव्य नाटक

5- नुक्कड नाटक

5-1 एकांकी का विकास

यूनिट	संदर्भ पुस्तकें	अन्य
1	नई कविता. डॉ.कांतिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी,भोपाल	इतिहास और आलोचना डॉ.नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2	नया काव्य नए मूल्य, ललित शुक्ल, मैकमिलन , दिल्ली	समकालीन कविता पर बहस, जगदीश नारायण श्रीवास्तव, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद
3	नई कविता-स्वरूप और समस्याएँ, डॉ. जगदीश गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली	साठोत्तरी हिन्दी कविता-परिवर्तित दिशाएं,विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान,दिल्ली
4	नई कविता की नाट्यमुखी भूमिका, डॉ. हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन दिल्ली	संवाद नई कविता आलोचना और प्रतिक्रिया, डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
5	रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली	नई कविता का परिप्रेक्ष्य, डॉ. परमानंद श्रीवीस्तव, नीलाभ प्रकाशन इलाहाबाद

HIN402 सैद्धांतिक भाषा विज्ञान

A Objectives

1-Basic understanding of formation of Language
2- To understand the basic reasons behind the behavior of society.
3-To understand the cultural difference in society

B Outcome of the Course

1-To express thoughts in proper words
2-Scientific attitude

Units

1- भाषा और भाषा विज्ञान
2- स्वन प्रक्रिया
3- रूप प्रक्रिया
4- वाक्य विज्ञान
5- अर्थ विज्ञान

सभी यूनिट्स के लिए	संदर्भ पुस्तकें
	1-भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
	2-नवीन भाषा विज्ञान, तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
	3-भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

HIN 403 काव्य शास्त्र

A- Objectives

1. To develop analytical quality of mind.
2. Knowledge of the critical traditions in languages.
3. Knowing the Indian and Western Critical Thoughts and Aesthetics.

B- Outcome

1. Analytical and composed mindset
2. Correct and wise usage of expression

Units

1. साहित्य में काव्य-शास्त्र का महत्व एवं उपादेयता
2. हिन्दी तथा संस्कृत काव्य-शास्त्र का परिचयात्मक इतिहास
3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की मूल अवधारणा
4. कुछ महत्वपूर्ण भारतीय आचार्यों का परिचय
5. कुछ महत्वपूर्ण पाश्चात्य समीक्षकों का परिचय

यूनिट	संदर्भ पुस्तकें
सभी यूनिट्स के लिए	भारतीय काव्य सिद्धांत, संपादक डॉ. नगेन्द्र, डॉ.तारकनाथ बाली, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन, निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय
	हिन्दी काव्य शास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उसकी विकास परंपरा, डॉ. वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
	हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

HIN 404 लोक-जागरण कालीन साहित्य (पद्य)

A- Objectives

1. Learning different forms, languages, ad tradition of poetry.
2. Knowledge of the basic unity in Indian thought tradition.
3. Understanding Indian people and their traditions

B- Outcome

1. Inculcation of values of Compassion, Forgiveness and equality

भारतीय भक्ति कविता

Units

1-भारतीय भक्ति कविता का परिचय

2-हिन्दी कृष्ण भक्ति कविता

3-सूरदास का 'भ्रमरगीत सार'

4-कन्नड निर्गुण कविता का परिचय

5-'वचन' –अध्ययन एवं पठन

सभी यूनिट्स के लिए	संदर्भ पुस्तकें
	1-भ्रमर गीत सार, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
	2-वचन, कर्णाटक साहित्य अकादमी, बैंग्लूर
	3-बसवेश्वर के वचन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

HIN 405 भारतीय साहित्य

A- Objectives

1. Understanding Indian Ethos and culture
2. Knowledge of different Indian cultures and
3 Knowledge of Traditions in different Literatures

B-Outcome

1 Value of Nationalism and Brotherhood

Units

1- भारतीय साहित्य- अवधारणा और स्वरूप तथा अध्धयन की समस्याएं

2- रवीन्द्रनाथ की कविताएं का अध्ययन

3- रवीन्द्रनाथ की कविताएं का भारतीय साहित्य के रूप में अनुशीलन

4- घासीराम कोतवाल का अध्धयन

5- घासीराम कोतवाल का भारतीय साहित्य के रूप अनुशीलन

यूनिट	पाठ्य-पुस्तक एवं	संदर्भ पुस्तकें
1	रवीन्द्रनाथ की कविताएँ,, साहित्य अकादमी, दिल्ली	भारतीय साहित्य, डॉ राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2	घासीराम कोतवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र,, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली

HIN406S

A-Objectives and Outcome

1- To encourage students to develop writing skill.

इस कोर्स में निम्नलिखित निबंधों की चर्चा होगी तथा विद्यार्थियों से तत्संबंधी लेखन कार्य कराया जाएगा.

क्रम	निबंध का शीर्षक	लेखक
1	द	प्रतापनारायण मिश्र
2	दाँत	प्रतापनारायण मिश्र
3	स्त्री	प्रतापनारायण मिश्र
4	नारी	प्रतापनारायण मिश्र
5	हमारी गुदड़ी के लाल	बालकृष्ण भट्ट
6	जातियों का अनूठापन	बालकृष्ण भट्ट
7	चली सो चली	बालकृष्ण भट्ट
8	गंगा मैया	काका कालेलकर
9	विज्ञापन युग	मोहन राकेश
10	कम्प्यूटर नई क्रांति की दस्तक	गुणाकर मुले

ये निबंध अलग अलग पुस्तकों में हैं। विद्यार्थी इन्हें पुस्तकालय से प्राप्त करेंगे । इससे पुस्तकालय में जाने का अभ्यास भी विद्यार्थी कर सकेंगे।

The parameters for assessment of seminars will be

1. Content
2. Way of presentation
3. Language accuracy
4. Independent thinking

Department of Hindi
Semester based Credit system Course
Semister-2
From June 2010

HIN 407 भाषा विज्ञान

(हिन्दी भाषा)

A Objectives

1- Impart Information about Hindi Language ad Language construction.

B Outcome of the Course

1-Knowledge of the history and variants of Hindi, language and its formation.

Units

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2. हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र एवं उपभाषाएं
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप
4. हिंदी शब्द रचना एवं शब्द संपदा
5. हिंदी के विविधे रूप

		संदर्भ पुस्तकें
	1	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, डॉ हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
	2	हिन्दी भाषा का इतिहास, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
	3	भाषा विज्ञान,डॉ.भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
	4	हिन्दी भाषा और लिपि, डॉ. धीरेन्द्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

HIN408 काव्य शास्त्र (समीक्षा संबंधी विभिन्न वाद)

Objectives

1. Developing the analytical quality of mind
2. Knowledge of critical traditions in languages
3. Knowledge of the Indian &Western mind through the critical thought and aesthetics

B-Outcome of the Course

1. Correct and wise usage of expression and
2. The skill of conceptualizing ideas
3. Tips on social behavior

Units

1 स्वच्छंदता वाद

2 मनोविश्लेषण वाद,

3-अस्तित्व वाद,

4-मार्क्सवाद,

5-विखंडनवाद

सभी कोर्सेस के लिए	संदर्भ पुस्तकें	अन्य
	1-पाश्चात्य काव्य-शास्त्र: अधुनातन संदर्भ , डॉ. सत्यदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2-पाश्चात्य काव्य शास्त्र, निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	1-हिंदी आलोचना की पारिभषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2- पाश्चात्य काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

HIN409 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास

A- Objective

Knowing the Historical perspective of Hindi Prose and Fiction
Knowledge of the Social Systems prevailing in the society
Knowledge of the cultural traditions of the people of the country

B-Outcome of the Course

Skill of information collection
Development of right perspective towards society

Units

1. स्वा.हिंदी उपन्यास (1947-1980)
2. स्वा.हिंदी उपन्यास (1980-2000)
3. स्वा.हिंदी कहानी (1947-1980)
4. स्वा.हिंदी कहानी (1980-2000)
5. स्वा.हिंदी निबंध (1947-2000)

यूनिट	संदर्भ पुस्तकें
1	उपन्यास स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवडेकर,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2	हिन्दी उपन्यास, रामदरश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3	कहानी-स्वरूप और संवेदनाएं, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
4	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

HIN410EA स्वरूप आधारित हिन्दी गद्य

A Objectives

Knowledge of Hindi thought process and different prose forms.
To create social understanding and knowledge of human behaviour.
Enjoying the pleasure of language usage

B Outcome

Learning Hindi prose forms will prove instrumental in creating a better society.

स्वरूप कहानी

Units

1-हिन्दी कहानी के निर्माण में कमलेश्वर एवं मन्नु भंडारी की भूमिका
2- मेरी प्रिय कहानियाँ- कमलेश्वर पठन
3- मेरी प्रिय कहानियाँ- कमलेश्वर अनुशीलन
4-प्रतिनिधि कहानियाँ- मन्नु भंडारी पठन
5-प्रतिनिधि कहानियाँ- मन्नु भंडारी अनुशीलन

यूनिट		संदर्भ पुस्तकें
सभी यूनिट्स के लिए	मेरी प्रिय कहानियाँ- कमलेश्वर, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली	कहानी-स्वरूप और संवेदनाएं, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
	प्रतिनिधि कहानियाँ- मन्नु भंडारी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली	मेरी प्रिय कहानियाँ- कमलेश्वर राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
		प्रतिनिधि कहानियाँ- मन्नु भंडारी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

HIN410EB युग आधारित हिन्दी गद्य

A Objectives

1. Knowledge of the thought process prevalent in different ages of Hindi literature
2. To create social understanding and knowledge of human behaviour.
3. Enjoying the pleasure of language usage

B Outcome

1. Create a better society.

प्रेमचंद युग

Units

1-प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास एक विहंगावलोकन

2- गोदान- प्रेमचंद विश्लेषण

3- गोदान- प्रेमचंद व्याख्या

4-त्यागपत्र, जैनेन्द्र विश्लेषण

5- त्यागपत्र, जैनेन्द्र व्याख्या

यूनिट	पाठ्य-पुस्तकें		संदर्भ पुस्तक
2-3	गोदान, प्रेमचंद लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	1	हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4-5	त्यागपत्र, जैनेन्द्र कुमार	1	हिन्दी उपन्यास- एक अन्तर्यात्रा, डॉ.रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
		2	प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
		3	प्रेमचंद- जीवन कला और कृतित्व, हंसराज रहबर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
		5	जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, पूर्वोदय प्रकाशन , दिल्ली

HIN411EA स्वरूप आधारित हिन्दी पद्य

AObjectives

1. 1-Knowledge of Hindi Sensibility
2. Knowledge of different Poetry forms
3. To learn the rhythm of language

B- Outcome

1.

1. Instrumental in creating a better individual
2. Ability to enjoy the rhythm of life.

लंबी कविता

Units

1- लंबी कविता का स्वरूप

2- राम की शक्ति पूजा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

3- असाध्य वीणा, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय

4- अँधेरे में, गजानन माधव मुक्तिबोध

5- आत्महत्या के विरुद्ध, रघुवीर सहाय

यूनिट	संदर्भ पुस्तकें
1	लंबी कविताएं और नरेन्द्र मोहन, डॉ रमेश सोनी, नवराज प्रकाशन, दिल्ली
2	निराला का काव्य , विविध संदर्भ, वितरक लोकभारती इलाहाबाद
3	अज्ञेय की कविता- एक मूल्यांकन, चंद्रकांत बांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली
4	मुक्तिबोध: काव्य और जीवन विवेक,चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5	रघुवीर सहाय, सं विष्णु नागर, असद ज़ैदी, आधार प्रकाशन, पंचकुला

HIN411EB युग आधारित हिन्दी पद्य

A-Objectives

1-Knowledge of Hindi sensibility in different ages of Hindi Literature.
2-To learn the rhythm of language

B- Outcome

1-Instrumental in creating a better individual

छायावाद

Units

1- छायावाद- स्वरूप एवं लक्षण
2- कामायनी की दार्शनिक भूमिका
3- कामायनी का काव्य सौन्दर्य एवं युगबोध
4- रश्मिबंध- चुनी हुई कविताओं का सौन्दर्य धर्मी अध्ययन
5- रश्मिबंध- चुनी हुई कविताओं का युगीन महत्व

यूनिट	पाठ्य-पुस्तकें		संदर्भ पुस्तकें
सभी यूनिट्स के लिए	1-कामायनी, भारती भंडार, इलाहाबाद	1	छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
	2-रश्मिबंध, राजकमल प्रकाशन दिल्ली	2	जयशंकर प्रसाद, आ. नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
		3	कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध,रचनाली-4 राजकमल प्रकाशन दिल्ली
		4	कवि कर्म और काव्य भाषा, परमानंद श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली
		5	सुमित्रानंदन पंत, नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली

HIN412S Seminar

Objectives and Outcome

1. To initiate poetry appreciation and art of poetry analysis.

इस कोर्स में निम्नलिखित कविताओं की चर्चा होगी तथा विद्यार्थियों से तत्संबंधी लेखन कार्य कराया जाएगा।

क्रम	कविता का शीर्षक	कवि
1.	आली री म्हारे णेणा बाण पड़ी	मीराँबाई
2.	मेरो मन अनत कहाँ सुख पायो	सूरदास
3.	तब तौं छवि पीवत जीवत हौं	घनानंद
4.	बीती विभावरी जाग री	जयशंकर प्रसाद
5.	मैं नीर भरी दुख की बदरी	महादेवी
6.	ऊषा	शमशेर बहादुर सिंह
7.	कुदाली	केदारनाथ सिंह
8.	विदूषक की प्रार्थना	मोहन डहेरिया

ये कविताएं अलग अलग पुस्तकों में हैं। विद्यार्थी इन्हें पुस्तकालय से प्राप्त करेंगे । इससे पुस्तकालय में जाने का अभ्यास भी विद्यार्थी कर सकेंगे।

The parameters for assessment of seminars will be

5. Content
6. Way of presentation
7. Language accuracy
8. Independent thinking

Department of Hindi

Semester based Credit system Course

Semester-3

From June 2011

HINDI 501 हिन्दीतर प्रांतों का हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं रचना

(गुजराती)

A-Objectives- Gujarat has a close linguistic and cultural link with Hindi. This course will enable the students to have information and knowledge of Hindi Literature written in Gujarat since medieval times.

B-Outcome of the Course

It will strengthen the cultural ties and develop the feeling of belongingness in the students.

Students will have the practical experience of the importance of the National Language Hindi.

UNITS

1-गुजरात में लिखा हिन्दी का मध्यकालीन साहित्य-1	2- गुजरात में लिखा हिन्दी का मध्यकालीन साहित्य-2	3-स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता का इतिहास
क- संत काव्य धारा	क-वैष्णव भक्ति काव्य-धारा	4-स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का इतिहास
ख- स्वामीनारायण संत काव्य परंपरा	ख- ब्रजभाषा पाठशाला के कवि	5-स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का इतिहास

संदर्भ पुस्तकें

1. गुजरात के हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमण पाठक, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. गुजरात का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य, भगवत शरण अग्रवाल, हिन्दी साहित्य अकादमी, गाँधीनगर
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य- गुजरात, सं रधुनाथ भट्ट, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहसदाबाद
4. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, सं-रघुवीर चौधरी, वाचिकम् हिन्दी विभाग, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
5. गुजरात का समकालीन हिन्दी साहित्य, सं-डॉ. अंबाशंकर नागर, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद

HIN-502 काव्य-शास्त्र

A-Objectives-

To teach fine intricacies of poetry prevalent in Indian and Western Criticism

B-Outcome of the Course

Students will develop insight for understanding and analyzing poetry.

UNITS

1. रस-निष्पत्ति,
2. सर्जन-प्रक्रिया, कल्पना की अवधारणा, कांट, सहृदय, प्रतिभा- विवेचन, साधारणीकरण, विरेचन, लोक-मंगल,
3. अलंकार, काव्यार्थ विवेचन, शब्द शक्ति, गुण-विवेचन, मिथक, काव्य-बिंब
4. काव्य-भाषा, वर्डस्वर्थ, इलियट, कुन्तक,
5. छन्द और कविता का अन्तर्संबंध
   लय- विवेचन- फ्रांसिसी प्रतीकवादियों की काव्य-लय संबंधी अवधारणा, गद्य की लय

संदर्भ पुस्तकें

1. रस सिद्धांत और सौन्दर्य शास्त्र, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. अभिनव का रस विवेचन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी काव्यशास्त्र के आधारभूत सिद्धांत और उनकी विकास परंपरा, डॉ.वेंकट शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपु
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन संदर्भ, डॉ सत्यदेव मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. चिंतामणी-1, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान , दिल्ली
7. सर्जन और भाषिक संरचना,रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. मिथक और साहित्य,डॉ. नगेन्द्र,नेश्नल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

HIN-503 प्रयोजन मूलक हिन्दी

A-Objectives-

1. To train the students to use correct language usages
2. To train students for job opportunities.
3. Combining the traditional knowledge with modern system and techniques

B-Outcome of the Course

1. Develop technical know-how
2. Skill acquired for implementing the use of Language in varied forms and manners

UNITS

1-कामकाजी हिन्दी

अ- हिन्दी के विभिन्न रूप-सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा

आ- पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धांत

2-हिन्दी-कंप्यूटिंग

अ- हिन्दी कंप्यूटिंग की प्राथमिक जानकारी

आ- इण्टरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, इण्टरनेट समय मितव्ययता के सूत्र

इ- ब्लॉग-निर्माण

ई- पावर- पॉईन्ट प्रेज़ेन्टेशन

उ- एक्सेल की साहित्यिक उपयोगिता

3- दृश्य माध्यम सिनेमा, फिल्म, टेलीविज़न

अ-दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति

आ-पटकथा लेखन, टेली –ड्रामा, डॉक्यू-ड्रामा

इ-दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य

4-श्रव्य माध्यम रेडियो

अ- श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति

आ- रेडियो नाटक

इ- समाचार लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज

5-रूपांतरण एवं विज्ञापन

अ- साहित्य की विधाओं का दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों में रूपांतरण

आ- प्रिंट, श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों में विज्ञापन लेखन

संदर्भ पुस्तकें

1. राजभाषा हिन्दी, कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ.रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
3. फिचर लेखन- स्वरूप और शिल्प, डॉ.मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. इलोक्ट्रानिक मीडिया, सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ.रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. जनसंचार विविध आयाम, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. व्यावहारिक हिन्दी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. दृश्य-श्रव्य एवं संचार माध्यम,डॉ कृष्णकुमार रत्तू, राजस्तान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

HIN504EA दलित लेखन

(हिन्दी)

A-Objectives

1. Study of post-modern literary trends.
2. Knowledge about marginal issues.

B-Outcome of the Course

1. Widening of cultural area of understanding.
2. Expansion of Sensibilities.

UNITS

1- दलित लेखन अवधारणा एवं इतिहास
2- दोहरा अभिशाप, विश्लेषण एवं अध्ययन, कौशल्या बैंसजी, किताबघर, दिल्ली
3- जूठन, विश्लेषण एवं अध्ययन, ओम्प्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4- दलित सौंदर्यशास्त्र
5- केन्द्रवर्ती साहित्य एवं दलित साहित्य –तुलनात्मक अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें

1. आधुनिक साहित्य में दलित चेतना, सं-देवेन्द्र चौबे, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
2. दलित साहित्य- स्वरूप और संवेदना, सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन गाजियाबाद
3. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज, ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा,दिल्ली
4. दलित सहिलाएं- इतिहास, वर्तमान और भविष्य, नटराज प्राकशन दिल्ली
5. दलित चेतना और स्त्री, सं- विजय कुमार संदेश, डॉ. नामदेव, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
6. मुख्यधारा और दलित साहित्य, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. दलित सौन्दर्यशास्त्र, ओम्प्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली

IN504EB महिला लेखन

A-Objectives

3. Study of post-modern literary trends.
4. Knowledge about marginal issues.

B-Outcome of the Course

3. Widening of social and cultural areas of understanding.
4. Expansion of traditional sensibilities.

UNITS

1. हिन्दी महिला लेखन – स्वरूप और इतिहास
2. पश्चिमी नारीवादी आंदोलन का इतिहास
3. नारीवाद का भारतीय परिप्रेक्ष्य
4. उपनिवेश में स्त्री: नारीवादी अध्ययन ,प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
5. शाल्मली – विश्लेषणात्मक अध्ययन, नासिरा शर्मा,

संदर्भ पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली
2. श्रृंखला की कडियाँ, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नारीवाद राजनीति, संघर्ष और मुद्दे, (सं)साधना आर्य, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. आधुनिक कथा साहित्य में नारी- स्वरूप और प्रतिमा, सं-डॉ उमा शुक्ल, डॉ.माधुरी छेड़ा,अरविन्द प्रकाशन बंबई
5. भारतीय नारी-कल आज और कल, सरोज गुप्ता, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
6. स्त्री चेतना के प्रस्थान बिन्दु, सुनीता गुप्ता, प्राकाशन संस्थान, दिल्ली

HIN505EA विश्व साहित्य

A-Objectives

1. To create an understanding of a world view.
2. Knowledge of World Literature.

B-Outcome of the Course

1 Inculcate value of vasudhaiva kutumbakam

UNITS

1. पश्चिमी एवं पौर्वात्य साहित्य_दृष्टि
2. चीनी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
3. नोर्वेजियन उपन्यास साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
4. लु शुन की रचनाएँ, डॉ. करण सिंह चौहान, साहित्य अकादमी, दिल्ली
5. क्नुत हाम्सन की कृति पान का विश्लेषणात्सक अध्ययन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें

यह पाठ्यक्रम सर्वथा नवीन है, अतः इस पर संदर्भ पुस्तकों का निर्माण करना होगा।

HIN505EB प्रादेशिक साहित्य

उत्तर-पूर्व का साहित्य*

A-Objective of the Course

1. Introduce the students to the different literatures written in Indian Languages.
2. Create a strong relationship and bond between people living in this country.

B-Outcome of the Course

1. Students will develop an understanding of real nationalism.

UNITS

1 उत्तर-पूर्व भारत – एक परिचय
2 मणिपुरी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
3 असमिया साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
4 आधुनिक मणिपुरी कविताएँ, इबोहलसिंह कांग्जम, संपा.डॉ.देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5 अस्तराग, होमेन बरगोहाई, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ

1 मणिपुरी कविता मेरी दृष्टि में, डॉ देवराज, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2 पूर्वांचल प्रदेश में हिन्दी भाषा और साहित्य डॉ ई जीनी (अन्तर्जाल पर उपलब्ध)

*(Every three years the Region will be changed)

HIN505EC तुलनात्मक साहित्य*

A-Objectives of the Course

1 To develop the literary understanding
2 To broaden and sharpen the critical faculty.

B-Outcome of the Course

1 Will Understanding Literature in cultural contexts.

UNITS

1. तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा, आवश्यकता एवं उपयोगिता
2. तुलनात्मक साहित्य: अध्ययन क्षेत्र
3. भारतीय तुलनात्मक साहित्य
4. कम्ब रामायण, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना
5. रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर

*(किसी एक साहित्यिक स्वरूप का तुलनात्मक अध्ययन)

संदर्भ पुस्तकें

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका- इन्द्रनाथ चौधुरी
2. तुलनात्मक साहित्य-संपादक- डॉ.नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य- महावीरसिंह चौहान
4. Comparative Literature, Master and Method, A Owen Aldridge, Urbana
5. Comparative Literature, Theory and Practice, Editor- Amiya Dev, Sisirkumar
6. तुलनात्मक अध्ययन- निकष एवं निरूपण, प्रो.आई.एन. चंद्रशेकर रेड्डी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

HIN505ED प्रवासी साहित्य

A Objectives of the Course

1. To introduce the students to literature written in diasporas.

B Outcome of the Course

2. Expansion of the sensibilities in reference to globalization.

UNITS

1. प्रवासी हिन्दी साहित्य- अवधारणा और स्वरूप
2. मॉरिशस का हिन्दी साहित्य
3. अमरीका का प्रवासी साहित्य
4. लाल पसीना , अभिमन्यु अनत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. कितना बड़ा झूठ, उषा प्रियंवदा,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ

1. सृजन गाथा , प्रवासी अंक, नेट पर उपलब्ध
2. नेट पर उपलब्ध सामग्री
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमण पाठक

HIN506S

A. Objective of the Course.

1) To encourage students in professional and critical writing

B. Outcome of the Course

1) Students will be able to apply the theoretical knowledge learnt during the semester.

UNITS

1- आधुनिक कहानियों के आधार पर विज्ञापन लेखन -1
2- मध्यकालीन काव्य के आधार पर विज्ञापन लेखन-1
3- गद्य में मिथक- रामायण एवं महाभारत पर आधारित कृतियाँ-1
4- पद्य में मिथक-रामायण एवं महाभारत पर आधारित कृतियाँ-1
5- हिन्दी कविताओं में बिम्ब एवं अलंकार प्रधान रचनाओं की समीक्षा-1

विद्यार्थी पुस्तकालय में जाकर साहित्य प्राप्त करें तथा सेमिस्टर में पढ़े हुए पाठ्यक्रम के आधार पर उक्त कार्य करें ऐसी अपेक्षा है।

The parameters for assessment of seminars will be

1- Content
2- Creativity & Critical ability
3- Language accuracy
4- Way of presentation

Department of Hindi

Semester based Credit system Course

Semester-4

From June 2011

HIN507 हिन्दी भाषा प्रशिक्षण एवं कोश विज्ञान Course Credit -4

A-Objectives

1-Gujarat is a Non-Hindi speaking State.

2-Impart proper training to the students regarding the different uses of Hindi Language.

B-Outcome of the Course

1-Students will learn to use language in different formats

2- Better chances to get job.

UNITS

लिखित

1. विभिन्न प्रकार के भाषा पाठों का अध्ययन- उच्चारण, लय, भार आदि
2. व्यतिरेकी भाषा प्रशिक्षण (गुजराती तथा हिन्दी), ध्वनि,
3. निबंध लेखन
4. कहानी लेखन
5. कोश- निर्माण

संदर्भ पुस्तकें

1. भाषा शिक्षणःसिद्दांत एवं प्रविधि, मनोरमा गुप्ता, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, केन्द्रीय हिन्दी संसंथान, आगरा
3. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग,(चार भाग)रमेश चंद्र मेहरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी की आधारभूत शब्दावली , वी.रा जगन्नाथन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा
5. व्यावहारिक हिन्दी, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिन्दी तथा गुजराती का तुलनात्मक व्याकरण विचार,साहित्य संकुल संस्थान, साहित्य संगम प्रकाशन, सूरत
7. सरल हिन्दी,यासमीन सुल्तान नक़वी,किताब महल,इलाहाबाद
8. हिन्दी वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, अचार्य किशोरीदास वाजपेयी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद का कोश विशेषांक (94-95) अनुवाद परिषद् दिल्ली

HN508शोध-प्रविधि

A-Objectives

1- To teach how to systemize knowledge.

B-Outcome of the Course

1- Develop scientific attitude

UNITS

1) शोध का परिभाषा एवं महत्व
2) शोध के प्रकार
3) शोध के उपकरण
   a) पुस्तकालय, अन्तर्जाल
4) शोध-प्रविधि
5) शोध-पत्र लेखन

संदर्भ पुस्तकें

1- नवीन शोध-विज्ञान, डॉ तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
2- साहित्यिक अनुसंधान के आयाम, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेश्नल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3- शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली
4- अनुसंधान- स्वरूप एवं प्रविधि, डॉ. रामगोपाल शर्मा दिनेश, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

HIN509अनुवाद अध्ययन

A Objectives of the Course

1. To train the students in the Art of Translation
2. Keep the students abreast of the present day situations

B Outcome of the Course

1. Easy Placement
2. Make them self dependant

UNITS

1- अनुवाद –परिभाषा, स्वरूप, महत्व, प्रकार, अनुवाद-प्रक्रिया
2- अनुवाद और राजभाषा
3- साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद अनुवाद-
   a. काव्य, नाटक, कथा, निबंध
   b. समाज-शास्त्रीय, वैज्ञानिक,पत्रकारिता, विधि
4- अनुवाद मूल्यांकन
5- अनुवाद में उत्तर-आधुनिकता

संदर्भ पुस्तकें

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. अनुवाद कला,डॉ.एन ई विश्वनाथ अय्यर,प्रभात प्रकाशन दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ, रवीन्द्रनाथ श्रीवस्तव,आलेख प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद साधना, पूरनचंद टंडन,अभिव्यक्ति प्रकाशन दिल्ली
5. राजभाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका, डॉ गार्गी गुप्त,,डॉ.पूरनचंद टंडन,. भारतीय अनुवाद परिषद्. दिल्ली
6. अनुवाद का नया चेहरा, डॉ,कृष्ण कुमार रत्तू,राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
7. अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली
8. अनुवाद कला- सिद्धांत और प्रयोग,डॉ कैलास चंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. सामाजिक विज्ञानों की पारिभाषिक शब्दावली का समीक्षात्मक अध्ययन डॉ.गोपाल शर्मा,एस. चाँद एंड कंपनी, दिल्ली
10. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं,डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद की सामाजिक भूमिका, रीतारानी पालीवाल, सचिन प्रकाशन दिल्ली
12. अनुवाद के विविध आयाम, डॉ.पूरनचंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली
13. काव्यानुवाद की समस्याएं, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
14. अनुवाद का उत्तर जीवन, डॉ रमण, वाणी प्रकाशन , दिल्ली

HIN510PT

A Objective

1. To encourage and train the students to handle self expression.

B Outcome of the Course

1. Help the students to prepare for job possibilities.

प्रोजेक्ट वर्क

इसमें विद्यार्थियों से यह अपेक्षित है कि दिए हुए विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करना होगा।

- शोध-पत्र लेखन टंकित 30 पृष्ठ
- रूपांतर
  (कहानी से नाटक,)
  (मुद्रित से दृश्य अथवा श्रव्य माध्यम) टंकित 15 पृष्ठ
- स्क्रिप्ट-लेखन टंकित 15 पृष्ठ
  (श्रव्य अथवा दृश्य माध्यम के लिए)
  (एकांकी अथवा स्किट)

The parameters for assessment will be

1. External & Internal Assessment
2. Viva-Voce
3. Student's originality in thought and Presentation.

HIN511A विशिष्ट साहित्यकार-गजानन माधव मुक्तिबोध

A-Objective of the Course

1- To teach how to study an author in totality

B Outcome of the Course

1. Will learn the technique of studying a particular Author
2. Learn to assess a person in totality.

UNITS

1- गजानन माधव मुक्तिबोध जीवन एवं रचना-विश्व
2- हिन्दी साहित्य में गजानन माधव मुक्तिबोध का योगदान
3- चाँद का मुँह टेढ़ा है,(5 कविताएँ) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4- मुक्तिबोध की कहानियाँ (5 मुक्तिबोध ग्रंथावली भाग-4) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5- मुक्तिबोध के साहित्य संबंधी चुने हुए 5 निबंध, (ग्रंथावली -5 में से) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें

1. मुक्तिबोध- कविता और जीवन विवेक, डॉ. चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. मुक्तिबोध की कविताएँ, बिम्ब-प्रतिबिंब, नंद किशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
3. मुक्तिबोध- ज्ञान और संवेदना, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. मुक्तिबोध-विचारक, कवि और कथाकार, डॉ सुरेन्द्रप्रताप,नेश्नन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. मुक्तिबोध युग चेतना और अभिव्यक्ति, डॉ.आलोक गुप्त, भारत पुस्तकालय, दिल्ली

HIN511Bहिन्दी रंगमंच

A-Objectives

1. Knowledge of traditional methods of presentation
2. Knowledge of social ills
3. Protecting cultural values

B-Outcome of the course

1. Confidence to face the problems of society
2. Confidence in handling human behavior

UNITS

1. हिन्दी नाट्य स्वरूप –विवेचन तथा विकास
2. हिन्दी रंगमंच विकास तथा विशेषताएँ
3. अँधेर नगरी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र
4. अँधा युग, धर्मवीर भारती संजय बुक सेंटर, वाराणसी
5. बकरी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष-गिरीश रस्तोगी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी नाट्य परिदृश्य,डॉ.धीरेन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
4. रंगदर्शन, नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी नाटक और रंगमंच-पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान
7. हिन्दी प्रतीक नाटक, रमेश गौतम, नाचिकेत प्रकाशन, दिल्ली
8. अंधा युग- पाठप्रदर्शन, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र-सृष्टि, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Department of Hindi

Semester Based
Credit System Course

Semester- 3 & 4

From June 2011